पंजाब केसरी 29/10/2025

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में जोनल स्तर की साइंस क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डॉ. राहुल तनेजा एवं प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त। (चंद्रमोहन)

बरवाला कॉलेज ने जीती जोनल स्तर की साइंस क्विज प्रतियोगिता

विज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में सोचने और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करता है : डॉ. रोहित दत्त

अम्बाला, 28 अक्तूबर (बलराम): हरियाणा स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टैक्नोलॉजी के तत्वावधान में अम्बाला छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में मंगलवार को जोनल स्तर की साइंस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तरी हरियाणा के 5 जिलों से 25 टीमों ने पंजीकरण कराया। प्रतियोगिता में गवर्नमैंट कॉलेज बरवाला (पंचकूला) कॉलेज ने प्रथम स्थान, गवर्नमैंट पी.जी. कॉलेज अम्बाला छावनी ने द्वितीय स्थात और गवर्नमैंट कॉलेज छछरौली (यमुनानगर) ने तृतीय स्थान हासिल किया। क्विज मास्टर की भूमिका में गवर्नमैंट कॉलेज भिवानी के रसायन विभाग के सहायक प्रोफैसर डॉ. रविकांत रहे।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने विजेताओं एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और शोध प्रवृत्ति को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान केवल किताबों तक सीमित नहीं, बल्कि यह विद्यार्थियों के सोचने और निर्णय लेने की क्षमता को विकसित करता है।

उन्होंने कहा कि गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज विद्यार्थियों की बौद्धिक प्रगति के साथ-साथ उन्हें समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में जिज्ञासा, अनुसंधान भावना और नवाचार की संस्कृति का विकास होता है।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राहुल तनेजा ने हरियाणा स्टेट काऊंसिल फॉर साइंस इनोवेशन एंड टैक्नोलॉजी द्वारा विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों को दी जाने वाली विभिन्न छात्रवृत्तियों एवं अन्य आर्थिक सहयोग के बारे में अवगत कराया। आयोजन प्रभारी डॉ. एस.के. पांडे ने कहा कि विज्ञान क्विज जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को न केवल ज्ञानार्जन का अवसर देती हैं, बल्कि प्रतिस्पर्धा द्वारा टीम वर्क, एकाग्रता और आत्मविश्वास को भी प्रोत्साहित करती हैं।

इस प्रकार के आयोजनों से विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों की रुचि और लगाव में वृद्धि होती है, जो अंततः देश के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में सहायक सिद्ध होगा।

सभी विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि डॉ. राहुल तनेजा एवं प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। मंच संचालन का कार्य डॉ. राजेश सैनी ने प्रभावशाली ढंग से संभाला। प्रतियोगिता के अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य डॉ. कुलदीप यादव ने किया। प्रतियोगिता के संचालन में डॉ. राकेश कुमार, डॉ. मीनू राठी, डॉ. नियती शर्मा, प्रो. अर्चना, प्रो. राममूर्ति, प्रो. राजिंदर मीरवाल, प्रो. सुजाता गोयल तथा गुंजीत सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।